नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में माननीय श्री लाखन सिंह यादव, कैबिनेट मंत्रीः पशुपालन एवं मछुआ कल्याण विभाग म.प्र. शासन का प्रथम आगमन

जबलपुर। दिनांक 16.02.2019 आज माननीय श्री लाखन सिंह यादव, कैबिनेट मंत्रीः पशुपालन एवं मछुआ कल्याण विभाग म.प्र. शासन, भोपाल द्वारा भ्रमण एवं अधारताल स्थित विश्वविद्यालय में नव निर्मित प्रशासनिक भवन का अवलोकन किया।

माननीय मंत्री जी ने प्रशासनिक भवन के अवलोकन के साथ ही वहां पर स्थित संयुक्त पशुधन प्रक्षेत्र, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, केंचुआ खाद उत्पादन एवं हरा चारा उत्पादन इकाई आदि का भ्रमण एवं अवलोकन करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों की भूरि–भूरि प्रशंसा की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में हो रहे पशु अनुसंधानों के माध्यम से रोजगार के नये अवसर पैदा किये जा सकते हैं और अपने डेरी, कुक्कट व अन्य फार्मों की मदद से किसान अपना सामाजिक–आर्थिक विकास भी कर सकते है। कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकी के अर्न्तगत सेरोगेसी द्वारा उत्पन्न साहीवाल गाय की बछिया भी देखी, विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर कुलपति ने विस्तार से मंत्री जी से शोध व विस्तार गतिविधियों के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। कुलपति ने

डेयरी साईस व खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की घोषणा करने पर हर्ष व्यक्त करते हुये, मध्यप्रदेश सरकार को बधाई दी। **विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है क्योंकि कई सालों के बाद विश्वविद्यालय को वित्तीय सहायता विश्वविद्यालय के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है,** मंत्री जी को सबसे ज्यादा हर्ष पंचगव्य उत्पाद गोबर के गमलों को देखकर हुई, उन्होंने कहा कि गोबर के इस तरह के नये प्रयोग को देखकर वे भी अचंभित हैं क्योंकि उन्होंने आज तक गोबर के खाद और उपलों के बारे में ही सुन रखा था लेकिन वेटनरी विश्वविद्यालय ने गोबर के उपयोग के मायने ही बदल दिये हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि गोबर के गमलों का व्यवसायी करण भी होना चाहिये और इसके बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों में जागरूकता एवं जानकारी पहुंचाई जानी चाहिए जिससे इन गमलों का प्रयोग हो सके। गोबर के गमलों के लिए किसानों की प्रशिक्षण देने की बात पर भी बल दिया।

वेटरनरी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नये–नये अनुसंधानों और विश्वविद्यालय के विकास एवं विस्तार हेतु विश्वविद्यालय के अंर्तगत डेयरी विज्ञान एवं प्रौधोगिकी महाविद्यालय, जबलपुर एवं मध्यप्रदेश शासन की इस पहल एवं स्वीकृति पर खुशी जताई। इस दौरान 21 फरवरी 2019 को आयोजित होने वाले पंचम दीक्षांत समारोह की तैयारीयों का जायजा भी लिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों, वैज्ञानिकों, छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों व प्रेस एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।